व्योममित्र

सरोत: पी.आई.बी.

हाल ही में वज्ञिान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने घोषणा की कि **महिला रोबोट अंतरिक्ष यात्री "व्योममित्र" (Vyommitra)** [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन](#) **(Indian Space Research Organisation- ISRO)** के महत्त्वाकांक्षी ["गगनयान" मिशन](#) से पहले अंतरिक्ष में उड़ान भरेगी जो **भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने वाली भारत की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान** होगी।

- मानवरहित "व्योममित्र" मिशन इस वर्ष की तीसरी तिमाही के लिये निर्धारित है, जबकि **मानवयुक्त मिशन "गगनयान"** अगले वर्ष अर्थात् 2025 में प्रक्षेपित किया जाना है।
- "व्योममित्र" नाम संस्कृत के दो शब्दों **"व्योम" (जिसका अर्थ है अंतरिक्ष)** और **"मित्र"** से मिलकर बना है। यह महिला रोबोट अंतरिक्ष यात्री **मॉड्यूल के मानकों की निगरानी करने, चेतावनी जारी करने और जीवन रक्षक कार्यों को निष्पादित करने की क्षमता से युक्त** है।
  - यह छह पैनलों को संचालित करने और प्रश्नों का उत्तर देने जैसे कार्य करने में सक्षम है।
  - "व्योममित्र" को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह **अंतरिक्ष के वातावरण में मानव कार्यों का अनुकरण** कर सके और इसके लाइफ सपोर्ट सिस्टम के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके।
- गगनयान परियोजना में अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को 400 किलोमीटर की कक्षा में भेज कर और पुनः उन्हें भारत के समुद्री जल में उतारकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर **मानव अंतरिक्ष क्षमताओं के प्रदर्शन की परिकल्पना** की गई है।

और पढ़ें: [वर्ष 2024 में अंतरिक्ष मिशन](#), [भारत के अंतरिक्ष प्रयास](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vyommitra-2